

ओ जननी! नी पदमे

राग: षड्विधमार्गिणि

ताळ: तिश्नड

पल्लवि: ओ जननी! नी पदमे ना शिरसुननू
नीरजदळमै नेडु मेरसेनू

१. ई नवनव रात्रुल गल पावनमहिमा
ना पेदवुल ई पदमुल सागेनु विनुमा
नुवु गदा! तेलिविवी शिवसती ललामा!
२. आकसमुन सागरमुन भूस्थलमुननू
नी मेरपुल नी नगवुल नी सोगसुलनू
कनुगोनी शुभमनी मुरिसिती मरीनू
३. लक्ष्मिवि नुवु-काळिवि मरि वाणिवि जननी!
नी सरि तुलतूगरु सुरलो करुणधुनी!
तेलियगा सचिदनंददवुगा भवानी!